an>

Title: Regarding Minister of External Affairs not accompanying Prime Minister at BRICS Summit.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Madam, before the hon. Minister makes a Statement, I would like to inform the hon. House that on earlier occasions whenever the Prime Minister attended the BRICS Summit, at least on 4 or 5 occasions there was no occasion for the Prime Minister to make a Statement in the House. I have the records with me, which state that even in 2010, when that Conference was held, subsequently, the Minister of External Affairs has made a Statement.

Yesterday, the Leader of the Congress Party has made certain comments about the Prime Minister that he is absent from the Budget Session and all. The Prime Minister had gone for an international Conference, and he has brought name and fame for the country and he is back successfully. We all know what exactly has happened there. If anybody has got to ask anything further to it, then they can discuss it appropriately at an appropriate time. But, my suggestion is that we should not come to the conclusion.

Madam, there is another important thing. As the Parliamentary Affairs Minister, it is my duty to bring to the notice that another Member yesterday made an uncharitable comment saying that it is very discourteous and we do not know where to stand and speak in this House as the Division Numbers have not been given. He said that : "The so-called great and efficient Government has not managed to give us Division Number." The Members should know what is the Rule position; what is the procedure; and without knowing that you should not criticize the Government. It is the domain of the Speaker, and nobody can question the Speaker in this House. We should understand it. Mr. Pinaki Misra had made this comment, and I want to put the record straight. Otherwise, I have no intention of even joining issue with him. As Parliamentary Affairs Minister, I must make Members also to be aware of the Rules.

As far as Shri Kharge's issue is concerned, the Government is coming forward to make a Statement on the BRICS Summit, and the Minister of External Affairs will make the Statement.

**माननीय अध्यक्ष:** अभी जो बात माननीय वैंकैय्या जी ने कही, सबको मालूम होना चाहिए कि सदस्यों के बैठने की जो सुविधा है, डिवीजन नम्बर एलॉट करने की बात है, वह पूरा ब्यौरा स्पीकर ऑफिस से बनाकर सारी पार्टीज को दे दिया है। कुछ पार्टीज के उस पर कुछ सजेशंस हैं इसलिए सदस्यों को डिवीजन नम्बर एलॉट नहीं किए जा सके हैं। मुझे लगता है कि जिस पार्टी के सदस्य ने यह बात उठाई थी, उनकी पार्टी ने भी इस बारे में कुछ सुझाव दिए हैं। हमने सब पार्टीज को अपने-अपने तरीके से डिवीजन नम्बर्स स्पीकर के ऑफिस से दे दिए हैं। इसलिए इसमें कुछ देर हो रही है। हमें थोड़ा समझना होगा कि क्या नियम है। उसी के साथ मैं कल देख रही थी कि कुछ नोमैडियन टाइप का उल्लेख करते हुए कुछ बात हुई। मैं थोड़ा बताना चाहूंगी कि हमसे ज्यादा कई बार लगता है कि आदिवासी जहां वे रह रहे हैं, अपने-अपने नियम से रहते हैं। ऐसा नहीं है कि हम भटक गए हैं इसलिए किसी पर बात करते हुए या कमेंट करते हुए अपने भाषणों में थोड़ी सी सोच लाएं, ताकि किसी की भी भावना आहत न हो। इसलिए ऐसी कोई बात नहीं है, पहले पूछिए, समझिए, फिर कहिए। इतना ही मैं सदस्यों से कहना चाहूंगी।

**श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) :** अध्यक्ष जी, हम विदेश मंत्री जी की बहुत इज्जत करते हैं। वह हमेशा अच्छी डिबेट करती हैं, कंवींस करती हैं, इसमें कोई शक नहीं है। वह बहुत ही व्याकरणबद्ध शुद्ध हिन्दी में बोलती हैं, अंग्रेजी भी उतनी ही अच्छी बोलती हैं। इनके प्रति हमें कोई शिकायत या ऑब्जेक्शन नहीं है। लेकिन हमने जो कल सवाल उठाया था कि ब्रिक्स मीटिंग में प्रधान मंत्री जी हाजिर थे, वह आपको साथ लेकर जा सकते थे, शायद नहीं लेकर गए, किस वजह से नहीं लेकर गए, वह और बात है।

**माननीय अध्यक्ष:** इस तरह से कमेंट करना उचित नहीं है।

**श्री मल्लिकार्जुन खड़गे :** युजअली हमने जो अब तक देखा है, वह कह रहे हैं। हमने यह कहा था कि ब्रिक्स मीटिंग में क्या हुआ, किन-किन चीजों पर सहमति हुई, किन पर नहीं हुई, इस बारे में डिटेल प्रधान मंत्री जी जानते हैं। इसलिए फर्स्ट टाइम इंफार्मेशन वह सदन को दे सकते थे। इसीलिए हमने कहा कि वह सदन में आकर इस बारे में बयान दें। आज सुबह वह आए और चले गए। ...(व्यवधान) हमें अगर बाहर जाना होगा तो जाएंगे और अंदर आना होगा तो आएंगे। आप भी जब विपक्ष में थे तो ऐसा ही करते थे। Please do not say all those things that we have seen.

मेरी यही विनती है कि प्रधान मंत्री जी को यहां आकर अपना स्टेटमेंट देना चाहिए। उनकी वहां किस-किस से मुलाकात हुई, किन-किन चीजों पर सहमति हुई, अगर वह यहां बताएं तो मैं समझता हूं कि अच्छा होगा। इसलिए हमारी यह मांग है। हम विदेश मंत्री जी के बारे में, उनकी क्षमता के बारे में या जो वह कह रही हैं, उस बारे में हमारी कोई आपत्ति नहीं है। हमेशा ऐसा होता है कि जब प्रधान मंत्री जी बाहर जाते हैं तो स्टेटमेंट देते हैं। कम से कम पहली बार तो एक बार स्टेटमेंट उनके मुख से उनकी वाणी से हम सुनना चाहते हैं। वह यहां आएं और कम से कम एक भाषण तो यहां दें।

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** अध्यक्ष जी, इससे पहले कि मैं ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बारे में वक्तव्य पढ़ूं, आदरणीय खड़गे जी ने जो आपत्तियां उठाई हैं, मैं उनका उत्तर देना चाहूंगी। सबसे पहले तो माननीय खड़गे जी मैं आपको यह बता दूं कि यह छठवां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन था। इससे पहले पांच शिखर सम्मेलन हो चुके थे और पांचों शिखर सम्मेलनों में प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह गये। जो आपने कहा कि प्रधान मंत्री जी मुझे साथ ले जा सकते थे, आपकी ध्वनि यह थी कि शायद किसी कारण से वे मुझे साथ नहीं ले गये। मैं आपको बता दूं कि पांचों शिखर सम्मेलनों में प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह जी कभी भी अपने विदेश मंत्री को साथ लेकर नहीं गये। एक बात और बता दूं। एक शिखर सम्मेलन दिल्ली में ही हुआ, उस दिल्ली वाले सम्मेलन में भी विदेश मंत्री उनके साथ नहीं गये। इसलिए जो एक नकारात्मक ध्वनि इसमें थी कि वे क्यों नहीं साथ ले गये, मैं आपको बता दूं कि भारत में कभी प्रधान मंत्री विदेश मंत्री को साथ लेकर ब्रिक्स-सब्मिट में नहीं जाते, लेकिन इस बार अगर संसद का सत्र नहीं होता, तो मैं साथ जाती, लेकिन चूंकि संसद का सत्र चल रहा था, इसलिए हम दोनों बाहर चले जाएं, यह अच्छा नहीं होता, उचित नहीं होता, इसलिए प्रधान मंत्री जी स्वयं गये।

दूसरी बात, आपने कहा कि प्रधान मंत्री जी अपने मुख से बोलते और ये वक्तव्य देते। पांच बार में से एक बार भी डॉ. मनमोहन सिंह सदन में इस ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बाद नहीं बोले। मैं आपके माध्यम से बताना चाहती हूं कि वर्ष 2013 में शिखर सम्मेलन हुआ, 2012 में शिखर सम्मेलन हुआ, केवल एक बार 2010 में वो भी विदेश मंत्री बोले और क्यों बोले, क्योंकि ब्रिक्स के साथ ही इब्सा की भी मीटिंग थी और न्यूक्लीयर सिक्योरिटी की ट्रीटी भी थी। इन तीनों चीजों को मिलाकर विदेश मंत्री भी केवल एक बार बोले। कभी विदेश मंत्री ने इस शिखर सम्मेलन के बारे में कोई वक्तव्य सदन में नहीं दिया, कभी प्रधान मंत्री ने कोई वक्तव्य नहीं दिया, हम लोगों ने यह तय किया है। आप जो कह रहे हैं कि मुख से एक बार तो बोलते तो राष्ट्रपति जी के अभिभाषण के पश्चात् क्या सुंदर भाषण प्रधान मंत्री जी ने यहां किया था, आपने क्या सुना नहीं और आप चेहरा न देखने पर उदास हो रहे थे तो आज तो वह उदासी भी दूर कर दी, प्रधान मंत्री जी प्रश्न काल में आकर बैठे थे। तो प्रधान मंत्री जी ने दर्शन भी दे दिये और आपकी वह विरह-चेदना भी दूर हो गयी और जो आप उनके मुख से भाषण की बात कर रहे हो, तो इस सदन में आकर के उन्होंने भाषण भी कर दिया था, बहुत विस्तृत और बढ़िया भाषण दिया था। इसलिए मैं यह कह रही हूं कि सदन में यह परम्परा नहीं रही कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बाद कोई बयान दिया जाए लेकिन मैं दे रही हूं। ...(व्यवधान)

**श्री मल्लिकार्जुन खड़गे :** हमने यह नहीं किया, वो नहीं किया, बोलते हैं, ये सारी चीजें जो हम कर रहे थे आप कर रहे हैं, इसलिए कोई फर्क नहीं है। ...(व्यवधान)

SHRI KODIKUNNIL SURESH (MAVELIKKARA): Are you following the UPA Government? Please tell us whether you are following the UPA Government. ...(*Interruptions*)

SHRI K.C. VENUGOPAL (ALAPPUZHA): That is the prerogative of the Prime Minister.

**श्री मल्लिकार्जुन खड़गे :** मुझे मालूम है, वह कैपेबल है, she will speak and I know she will convince all of us. हमेशा वह कंवीन्स करने में माहिर है, वह एक्सपर्ट है, हम जानते हैं। लेकिन अटल बिहारी वाजपेयी जी जब प्राइम-मिनिस्टर थे वे प्रश्न काल में भी बैठते थे लेकिन यह नहीं कि आये, दर्शन दिये, क्या भगवान हैं वो?

**श्री मुलायम सिंह यादव (आज़मगढ़) :** अगर इन्होंने गलती की थी तो क्या आप भी गलती करेंगे? यह क्या बात हुई?

**श्रीमती सुषमा स्वराज:** तो हम गलती नहीं कर रहे ना, हम जवाब दे रहे हैं।

**13.00 hrs.**

आपने जैसा कहा कि कन्विन्स कर देती हैं, मैं तथ्यों के आधार पर कन्विन्स करती हूं, अनर्गल बात करके आपको कन्विन्स नहीं करती हूं। मैंने तथ्य आपके सामने रखे कि कभी यह परम्परा नहीं रही है लेकिन हम नई परम्परा शुरू कर रहे हैं और मैं यह वक्तव्य पढ़ रही हूं।